चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.07.2020	02	06-08

बीमारियों से संबंधित रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेरशन' विधि का बढ़ा प्रचलन : डॉ. परमिल

एचएयू में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के तहत दी जानकारी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपूरिया ने प्रतिभागियों से रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेरशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। इस विधि का प्रयोग करने के बाद जो रिसर्च की जाती है, उसके बेहतर परिणाम आते हैं। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं। रिफ्रेशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता एचएयू से सेवानिवृत्त डॉ. के.के. सक्सेना ने इक्नोमेट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	21.07.2020	11	01-02

हकृवि में कृषि आंकड़ों पर रिफ्रेशर कोर्स

■ भारत में बिमारियों संबंधी रिसर्च में लोजिस्टिक रिग्रेशन विधि का बढ़ा प्रचलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हकृवि में कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निदेर्शानुसार किया जा रहा है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपूरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बिमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं। उनमें लोजिस्टिक रिग्रेशन विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	21.07.2020	04	02

बीमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

हिसार, 20 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकी विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रैशमैंट कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सैना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रैशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है।

डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। रिफ्रैशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ. के.के. सक्सेना ने इक्नोमैट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफैसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (दिल्ली)	21.07.2020	--	--

भारत में बीमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

हिसार, 20 जुलाई (राज पराशर): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रैशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। रिफ्रैशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। उन्होंने कहा कि इस विधि का प्रयोग करने के बाद जो रिसर्च की जाती है, उसके बेहतर परिणाम आते हैं। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। रिफ्रैशर कोर्स में सौ प्रतिभागी गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से हैं जबकि शेष प्रतिभागी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान व अनुसंधान केंद्रों बावल, भिवानी और महेंद्रगढ़ से हैं। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रैशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी जा रही है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता व डॉ. विनय कुमार ने बताया कि इस कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स से जुड़े प्रतिभागियों को व्याख्यान दे रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21.07.2020	04	01-02

'भारत में बीमारियों से संबंधी रिसर्च में
'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेश कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। वक्ता डॉ. केके सक्सेना ने बताया कि सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विज्ञानों जैसे अर्थशास्त्र, अर्थ प्रबंधन इत्यादि में इन तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। इन तकनीकों का प्रयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है, जिनके परिणाम सटीक होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	20.07.2020	--	--

भारत में बीमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बिमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। उन्होंने कहा कि इस विधि का प्रयोग करने के बाद जो रिसर्च की जाती है, उसके बेहतर परिणाम आते हैं। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं। रिफ्रेशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त डॉ. केके सक्सेना ने इक्नोमेट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विज्ञानों जैसे अर्थशास्त्र, अर्थ प्रबंधन इत्यादि में इन तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का प्रयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है, जिनके परिणाम सटीक होते हैं।

एक साथ 160 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। रिफ्रेशर कोर्स में सौ प्रतिभागी गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से हैं जबकि शेष प्रतिभागी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान व अनुसंधान केंद्रों बावल, भिवानी और महेंद्रगढ़ से हैं। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी जा रही है। इन मोड्यूल में परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता व डॉ. विनय कुमार ने बताया कि इस कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से जुड़े प्रतिभागियों को व्याख्यान दे रहे हैं और उन्हें 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबन्धित विभिन्न प्रकार के मोड्यूलस से अवगत करवा रहे हैं।

प्राइवेट स्कूल संघ ने डीईओ अनिल शर्मा का किया स्वागत

हिसार। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू की अध्यक्षता में नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी अनिल शर्मा से उनके कार्यालय में मुलाकात की और हिसार में कार्यग्रहण करने पर उनका स्वागत करते हुए शॉल भेंटकर उन्हें सम्मानित किया है। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के हांसी खंड प्रधान बलराज सिंह ने बताया कि डीईओ अनिल शर्मा पलवल से ट्रांसफर होकर हिसार आए हैं। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डीईओ के समक्ष प्राइवेट स्कूलों की समस्याओं को भी रखा और विस्तार से चर्चा की। नवनियुक्त डीईओ अनिल शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्राइवेट स्कूलों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी धनपत सिंह से भी मुलाकात की और नियम 134ए की बकाया राशि जल्द से जल्द जारी करने की मांग रखी। डीईईओ धनपत सिंह ने भी प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि यह राशि स्कूलों को जल्द जारी कर दी जाएगी। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू, संरक्षक तेलुराम रामायणवाला, प्रांतीय उपप्रधान सतीश वर्मा व सुरेश पंघाल, हांसी खंड प्रधान बलराज सिंह, अनिल कुमार, राजीव मिगलानी, नवदीप, रामअवतार, तिलकराज, उमेश व राकेश सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	20.07.2020	--	--

ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी, सांख्यिकी की विभिन्न तकनीकों की मिलेगी जानकारी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजु सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही है उनमें 'लॉजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। उन्होंने कहा कि इस विधि का प्रयोग करने के बाद जो रिसर्च की जाती है, उसके बेहतर परिणाम आते हैं। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं। रिफ्रेशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त डॉ. के.के. सक्सेना ने इकनोमेट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विज्ञानों जैसे अर्थशास्त्र, अर्थ प्रबंधन इत्यादि में इन तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का प्रयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है, जिनके परिणाम सटीक होते हैं।

एक साथ 160 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजु सिंह टांक ने बताया कि कृषि और सांख्यिकी विज्ञान के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विषय विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। रिफ्रेशर कोर्स में सभी प्रतिभागी गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से हैं जबकि शेष प्रतिभागी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान व अनुसंधान केंद्रों बावल, सिरसा और महेंद्रगढ़ से हैं। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मॉड्यूल की जानकारी दी जा रही है। इन मॉड्यूल में परिकल्पना और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकीय तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय टेस्ट, डिजाइन ऑफ एक्सपेरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजु मेहता व डॉ. विनय कुमार ने बताया कि इस कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से जुड़े प्रतिभागियों को व्याख्यान दे रहे हैं और उन्हें 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित विभिन्न प्रकार के मॉड्यूल्स से अवगत करवा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	20.07.2020	--	--

भारत में बिमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

डॉ. सक्सेना ने कहा, विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है तकनीकों का प्रयोग

एक साथ 160 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु (प्रादेशिकी)	20.07.2020	--	--

डॉ समर एचएयू के कुलपति

हिसार। डा. समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलपति बनाया गया है। डॉ. समर ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। गौरतलब है कि डॉ. समर ने इसी विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की है। डा. समर सिंह मौजूदा समय में महाराणा प्रताप होर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी में कुलपति हैं। 61 साल के डा. समर सिंह कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हैं। करनाल के प्रेमखेड़ा गांव के रहने वाले डा. समर किसान परिवार से हैं। गांव के स्कूल से प्राथमिक शिक्षा के बाद उन्होंने 1975 में एचएयू के कॉलेज से बीएससी की। इसके बाद इसी विवि से एग्रोनोमी विषय से एमएससी की। 1982 तक इन्होंने एमएससी की पढ़ाई पूरी की। इनकी ज्वाइंनिंनग जनवरी, 1983 में कुरुक्षेत्र के कृषि ज्ञान केंद्र में एक जिला विस्तार विशेषज्ञ के रूप में हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (यूनिक हरियाणा)	**20.07.2020**	--	--

भारत में बिमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल कुमार

July 20, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 20 जुलाई
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (जीवन आधार)	**20.07.2020**	--	--

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देशानुसार किया जा रहा है। कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बिमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक